



इस बार हनुमान जयंती शनिवार है। इसलिए शनिवार का दिन और दिन में हो रही है। शनिवार का हनुमान जयंती का योग बहुत ही दिन भी हनुमान जी को समर्पित शुभ फलदायक है। ऐसा कहा जाता



इस साल राहु से प्रभावित होंगी ये राशियाँ, साल भर ये परेशानियां देंते रहेंगे राहु

12 अप्रैल 2022 को छाया ग्रह राहु का गोचरीय परिवर्तन मेष राशि में हो रहा है। अब से 18 महीने यानी डेढ़ साल तक राहु सेनापति मंगल की राशि मेष में राहु रहेंगे। इस गोचर से कई राशियों को सकारात्मक तो कई राशियों को इसके नकारात्मक प्रभाव भी झेलने पड़ते हैं। कहा जा रहा है कि मेष, मीन, मकर, धनु और तुला ?शि वालों को डेढ़ साल के लिए खास तौर पर सावधान रहना होगा। राहु हर किसी की कुंडली और राशि के हिसाब से कार्य करता है। हर भाव के हिसाब से यह स्थिति अलग-अलग हो सकती है। राहु की नवम दृष्टि अष्टम भाव में हो तो पेट और पैर की समस्या देता है।

खराब राहु के लक्षण

राहु के खराब होने से लीवर की समस्याएं, किडनी की समस्याएं, एलर्जी एवं इंफेक्शन की समस्या हो सकती है। इसका साथ ही मस्तिष्क रोग, कब्जा, अतिसार, चेचक, कुष्ठ, कैंसर, हृदय रोग, त्वचा रोग भी खराब राहु की स्थिति दिखाती है। इसके अलावा हड्डियों की समस्या गठिया, हड्डी टूटना भी खराब राहु के कारण मिलती है। जिसकी राशि में राहु खराब होता है, वह व्यक्ति बहुत छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करता है। इसके अलावा राहु के खराब होने के लक्षण मानसिक तनाव, वाणी का कठोर हो जाना, गलतफहमी और आपसी तालमेल न होना हैं। राहु शांति का उपाय आपकी कुंडली और राशि में राहु की स्थिति को देखकर ही किया जाता है।

राहु शांति के उपाय

ऐसा कहा जाता है कि राहु के उपाय करने से राहु काफी हद तक शांत हो जाते हैं। इनके उपाय में नारियल का उपाय बहुत ही खास है। इसके लिए प्रत्येक अमावस्या को पांच सूखे नारियल गंदे प्रवाहित जल में प्रवाह करने चाहिए। इसके अलावा आगर राहु को पूजा से शांत करना है तो मां भगवती और भैरव जी की पूजा करें। ऐसा करने से राहु शांत होते हैं। अगर रन्न आदि से राहु को शांत नहीं कर सकते इसलिए गोमेद धारण न करें। इसके अलावा ओम ब्रां श्री ऋं सः राहवे नमः मंत्र की माला का जाप भी शांति प्रदान करता है। शनिवार को काला कपड़ा पहनना भी राहु शांति का उपाय है।

ढाई साल बाद इन दो राशियों को मिलेगा आराम और इससे हटेगी साढ़ेसाती

शनि एक न्याय प्रिय ग्रह माने जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि आपके कर्मों का फल इसी जन्म में शनि आपको दे देते हैं। एक तरह से आपने जो किया है उसका फल चाहे वो खराब हो या अच्छा शनि आपको देते हैं। कई ऐसी बातें भी हैं जिनसे शनि प्रसन्न होते हैं। इसलिए शनि की ढैया या फिर साढ़े साती में शनि को प्रसन्न करने के लिए गरीबों की मदद करनी चाहिए। अपने से नीचे किसी भी व्यक्ति को परेशन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से शनि की ढैया और

हनुमान जयंती और शनिवार, इस दिन करें ये उपाय, शनि और राहु भी नहीं कर पाएंगे कुछ

है कि मंगलवार और शनिवार हनुमान जी का दिन है। इस दिन हनुमान जी के कुछ उपाय शनि और राहु केतू के अशुभ प्रभावों से छुटकारा दिलाएंगे। हनुमान जी को संकटमोचक कहा जाता है। खासकर शनि और राहु भी हनुमान जी से डरते हैं। इसलिए इनकी अराधना और शनि राहु के उपाय हनुमान

चालीसा के दिन करना बहुत ही शुभ रहेगा। कहते हैं छाया ग्रह और कूरा ग्रह कहे जाने वाले शनि और राहु केतू भी हनुमान जी अराधना के सामने झुक जाते हैं। हाल ही में 12 अप्रैल को राहु का राशि परिवर्तन हुआ है। इसके साथ ही शनि भी राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। ऐसे में इन दोनों ग्रहों

के अशुभ प्रभावों से बचने के लिए भगवान बजरंग बली की अराधना बहुत ही हितकारी है। हनुमान जयंती पर बजरंग बली को चोला जस्तर चढ़ाना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन भगवान को चोला चढ़ाने से कई मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इसके अलावा उन्हें सिंदूर, और लंगोट चढ़ाने मिलती है।

हनुमान जी की पूजा में इन नियमों का करें पालन



■ संतोष वाईद्या
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ,
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष
एवं वास्तु एसोसिएशन
प्रदेश प्रवक्ता

हनुमान जयंती इस बार 16 अप्रैल शनिवार को मनाई जा रही है। हिन्दू पंचांग के अनुसार हनुमान जयंती का पर्व चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। कलिकाल में श्री हनुमान जी की आराधना शीघ्र ही कामना पूर्ति करती है। हनुमान जी की पूजा में खास ध्यान रखना चाहिए। कहा जाता है कि हनुमान जी की पूजा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आज

हम आपको बताएंगे उन बातों के बारे में जो हनुमानजी की पूजा में खास ध्यान रखनी चाहिए। ये तो सभी जानते हैं कि बजरंग बली ब्रह्मचारी और महायोगी हैं। इसलिए इनकी पूजा में वस्त्र, शरीर और यहां तक विचार तक में भी ब्रह्मचार्य का पालन होना चाहिए। इसलिए इस बात का हनुमान जी की पूजा में खास ध्यान रखना चाहिए। इसके साथ ही इनके प्रसाद की शुद्धता, नियम-संयम का विशेष ध्यान रखना होता है।

आइए जानें हनुमान जी की पूजा में किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

1. इनकी पूजा करने वाले व्यक्ति को खास तौर पर स्नान करके, शुद्ध वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके अलावा संयम और विचार तक शुद्धि इनकी पूजा में बहुत खास होती है। हनुमान जी का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कहा जाता है कि हनुमान जी की पूजा में छोटी से छोटी बात का विशेष ध्यान खाना चाहिए। आज



खास ध्यान रखें कि वो किसी भी तरह से अशुद्ध न हों।

2. इनकी पूजा में मास और मंदिर तो इनका अनादर करने के समान है। इसलिए इनकी पूजा में ऐसा कोई व्यक्ति शामिल न हो, जिसने मंदिर पान किया हो या मास खाया हो। इनके ब्रत में शुद्धि सात्त्विक भोजन ही किया जाता है।

3. नमक का इस्तेमाल न करें: हनुमान जी की पूजा में नमक का प्रसाद या ब्रती का खाना बनाने वाली महिलाएं भी इस बात का विशेष ध्यान खाना चाहिए। आज

मीठा ही अपीत किया जाता है और मीठा ही खाया जाता है। खासकर इन्हें बूंदी का प्रसाद बहुत प्रिय है।

4. मूर्तियों को स्पर्श: हनुमान जी सीता माता की तरह हर स्त्री को माता मानते हैं। इसलिए इनकी मूर्ति को स्पर्श नहीं करना चाहिए।

5. अगर हनुमान जी का कोई अनुष्ठान जैसे सुंदरकांड आदि कराना चाहते हैं तो शनिवार और मंगलवार का दिन इनकी पूजा खास फलदायी होती है।



सिंह राशि वालों का भाग्य भी सूर्य की तरह चमकेगा। इस राशि के लोगों को मान-सम्मान और व्यापर में लाभ मिलेगा।

वृश्च राशि के जातकों के लिए यह समय बहुत ही लाभदायक सवित होगा। इन राशि के लोगों को किसी से अपसभ्द नहीं कहने और न ही किसी से कोई मतभेद करने हैं।

कर्क राशि वालों के लिए सूर्य बहुत सारी खुशियां लेकर आ रहा है। इस राशि के लोगों को आय के साधन में वृद्धि के साथ आपके करियर में भी मनचाहा बदलाव लेकर आ रहा है। अगर आप नौकरी करते हैं तो बदलकर आपको अच्छी नौकरी भी मिल सकती है।

मीन राशि- सूर्य का गोचर मीन राशि के जातकों को पद-पैसा-सम्मान तीनों दिला सकता है। इस दौरान आपके कॉर्नफिल्डेस में वृद्धि होगी, जिसका लाभ करियर में मिल सकता है। किसी धार्मिक कार्य में हिस्सा ले सकते हैं।



प्रावित करेगा। शनि की ढैया और साढ़ेसाती किसी राशि से हटेगी तो किसी राशि पर चलेगी। शनि के इस गोचर से मिथुन और तुला राशि वाले जो ढाई साल से परेशानी झेल रहे थे, उन्हें राहत मिलेगी। लेकिन ये थेंडे कम समय के लिए होगा। 12 जुलाई तो शनि फिर से मकर राशि में आ जाएगे और दो साल तक यहीं रहेंगे। इसलिए मिथुन और तुला राशि फिर ढैया में रहेंगी। इसके बाद 17 जनवरी 2023 मिथुन और तुला राशि वालों को आराम मिलेगा।

